लखनऊ में तय होगा 29 देशों की डिजिटल इकोनॉमी का रोडमैप

साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल पहचान का भी तैयार किया जाएगा खाका

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। जी-20 समिट के तहत लखनऊ में होने वाली डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में 29 देशों की डिजिटल पहचान, डिजिटल इकोनॉमी और साइबर सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए नया रोडमैप तैयार किया जाएगा।

होटल सेंट्रम में 13 से 15 फरवरी तक होने वाली बैठक में जी-20 के बीस देशों के साथ नौ मित्र देशों को भी आमंत्रित किया गया है। 18 सत्रों में होने वाली बैठक के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताएं तय की गई हैं। इनमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इकोनॉमी में साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल कौशल शामिल हैं।

13 फरवरी को सुबह 9.50 बजे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाली कार्यशाला में विभिन्न देशों में डिजिटल पहचान लागू करने के लिए किए गए प्रयासों पर चर्चा होगी। सुबह 11.35 बजे लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग की समस्याओं का साइबर सिक्योरिटी के जरिये समाधान पर मंथन होगा। दोपहर 2 बजे सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा होगी। शाम 4.35 बजे डिजिटल इकोनॉमी में ढांचागत विकास के लिए भू स्थानिक तकनीक और उत्पादकता के विकास पर बात होगी। 14 फरवरी को डिजिटल इकोनॉमी में साइबर सिक्योरिटी और 15 फरवरी को डिजिटल कौशल पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक से निकले निष्कर्ष को यूपी सरकार अपने यहां प्रमुखता से लागू करेगी।

गेमचेंजर होंगे बैठक के निर्णय

समिट से जुड़े नगर विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक भारत के लिहाज से महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूरा फोकस भी डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देने, साइबर सिक्योरिटी और कौशल विकास पर है। समिट में शामिल होने वाले देशों का ही दुनिया के 80 फीसदी व्यापार पर कब्जा है। इस लिहाज से विभिन्न देशों के बीच सेवाओं और तकनीक के आदान प्रदान पर एमओयू के लिए सैद्धांतिक सहमति बन सकती है।